हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय

M.A. Part- I Hindi - I,II,III,IV,V,VI,VII,VIII Syllabus Semester I & II

Hindi Vidya Prachar Samiti's

Ramniranjan Jhunjhunwala College

Of Arts, Science & Commerce

(Autonomous College)

Affiliated to

UNIVERSITY OF MUMBAI

Syllabus for the M.A. Part-I

Program : M.A. HINDI

Program Code : RJAPGHIN

Course : Hindi - I,II,III,IV,V,VI,VII,VIII

Sem. I & Sem. II

(CBCS 2018-19)

हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय

DISTRIBUTION OF TOPICS AND CREDITS

MA Hindi- I,III,V,VII, Syllabus Semester I

Course code	Nomenclature	Credits	Topics
RJAPGHIN101	हिंदी साहित्य का इतिहास	4	१. इतिहास दृष्टि एवं साहित्येतिहास लेखन २. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा एवं पुनर्लेखन की समस्याएँ ३. हिंदी साहित्य का इतिहास : नामकरण एवं काल विभाजन क) आदिकाल ख) भक्तिकाल ग) रीतिकाल
RJAPGHIN102	काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन	4	१. रस सिद्धांत २. अलंकार सिद्धांत ३. रीति सिद्धांत ४. रामचंद्र शुक्ल, नंददुलारे वाजपेयी, हजारी प्रसाद द्विवेदी ५. अभिजात्यवाद, स्वच्छन्दतावाद, मार्क्सवाद ६. प्लेटो, अरस्तू, लोंजाइनस
RJAPGHIN103	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा	4	१. भाषा २. भाषा विज्ञान ३. स्वन विज्ञान ४. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ ५. हिंदी का वाक्य विन्यास
RJAPGHIN104	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	4	१. संत कबीरदास : साखी २. पद्मावत ३. गोस्वामी तुलसीदास : रामचरितमानस

हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय

MA Hindi- II,IV,VI,VIII Syllabus Semester II

Course code	Nomenclature	Credits	Topics
RJAPGHIN201	हिंदी साहित्य का इतिहास	4	१. आधुनिक कालीन परिवेश २. आधुनिक हिंदी कविता का प्रवृत्तिगत अध्ययन ३. आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य : हिंदी साहित्य की प्रमुख गद्य विधाओं का क्रमिक विकास (कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, समीक्षा, आलोचना, यात्रा वृत्तांत, डायरी, पत्र, जीवनी, आत्मकथा)
RJAPGHIN202	काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन	4	१. वक्रोक्ति सिद्धांत २. ध्वनि सिद्धांत ३. औचित्य सिद्धांत ४. डॉ. रामविलास शर्मा, डॉ. नगेन्द्र, डॉ. नामवर सिंह ५. अस्तित्ववाद, संरचनावाद, उत्तर आधुनिकतावाद ६. मैथ्यू आर्नल्ड, टी.एस. इलियट, आई.ए. रिचर्ड्स
RJAPGHIN203	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा	4	१. रूप विज्ञान २. वाक्य विज्ञान ३. अर्थ विज्ञान ४. हिंदी की रूप रचना ५. देवनागरी लिपि
RJAPGHIN204	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	4	१. भ्रमरगीत सार २. कवि भूषण ३. मीरा पदावली

हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय

हिंदी विभाग

एम.ए. हिंदी प्रथम वर्ष

हिंदी भाषा और साहित्य स्नातकोत्तर : अनिवार्य योग्यता

1) **साहित्यिक कृतियों के पाठन व आस्वादन हेतु विद्यार्थियों में रूचि विकसित करना .**
2) **साहित्य के माध्यम से समाज की स्थिति को स्पष्ट करना .**
3) **साहित्य के माध्यम से देश की सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक स्थिति से विद्यार्थियों को अवगत कराना.**
4) **साहित्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति की जानकारी देना.**
5) **साहित्य के पठन-पाठन से दो भाषाओं के बीच की खाई को पाटना.**
6) **साहित्य के माध्यम से समाज या दो भाषाओं के मध्य सांस्कृतिक आदान-प्रदान से प्रेम तथा सद्भाव लाना.**
7) **विद्यार्थियों में भाषिक कौशल्य का विकास करना.**
8) **विद्यार्थियों में व्याकरणिक कौशल्य का विकास करना.**
9) **विद्यार्थियों में पत्र लेखन तथा रिपोर्ट लेखन के कौशल्य का विकास करना.**

<u>हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय</u>

एम.ए. (प्रथम वर्ष)

Semester – I (प्रथम सत्र)

Course Code : RJAPGHIN101

प्रश्नपत्र : १

हिंदी साहित्य का इतिहास

History of Hindi Literature

इकाई एक **श्रेयांक - १**

१. इतिहास दृष्टि एवं साहित्येतिहास लेखन
२. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा एवं पुनर्लेखन की समस्याएँ
३. हिंदी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन एवं नामकरण
४. आदिकाल : परिवेश
   : सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य,रासो साहित्य
   : अमीर खुसरो एवं विद्यापति

इकाई दो और तीन **श्रेयांक - २**

५. भक्तिकाल : परिवेश
   : भक्ति आन्दोलन का विकास
   : संत काव्य : परंपरा एवं प्रवृतियाँ
   : सूफ़ी काव्य : परंपरा एवं प्रवृतियाँ
   : रामभक्ति काव्यधारा : परंपरा एवं प्रवृतियाँ
   : कृष्णभक्ति काव्यधारा : परंपरा एवं प्रवृतियाँ
   : भक्तिकाव्य की प्रासंगिकता

इकाई चार **श्रेयांक - १**

६. रीतिकाल : रीतिकालीन परिवेश
   : रीतिबद्ध काव्य, रीतिसिद्ध काव्य एवं रीतिमुक्त काव्य की प्रवृतियाँ

हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय

Semester – II (द्वितीय सत्र)

Course Code : RJAPGHIN201

प्रश्नपत्र : २

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

History of Hindi Literature (Modern Age)

इकाई एक **श्रेयांक - १**

१. आधुनिक कालीन परिवेश

इकाई दो **श्रेयांक - १**

२. आधुनिक हिंदी कविता का प्रवृतिगत अध्ययन :
भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, साठोत्तरी कविता, समकालीन कविता |

इकाई तीन **श्रेयांक - १**

३. हिंदी गद्य साहित्य : हिंदी साहित्य की प्रमुख गद्य विधाओं का क्रमिक विकास

३.१ उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध

इकाई चार **श्रेयांक - १**

३.२ आलोचना, यात्रा वृतांत, डायरी, पत्र, जीवनी, आत्मकथा, रेखाचित्र, संस्मरण

सन्दर्भ ग्रन्थ : (प्रश्न पत्र - १ और २)

१. हिंदी साहित्य का इतिहास - आ.रामचंद्र शुक्ल
२. हिंदी साहित्य का इतिहास - संपादक - डॉ. नगेन्द्र
३. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - डॉ गणपतिचन्द्र गुप्त.
४. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी
५. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय

६. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. श्यामचन्द्र कपूर
७. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह
८. हिंदी साहित्य की प्रवृतियाँ - डॉ. जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल
९. हिंदी साहित्य और उसकी प्रवृतियाँ - डॉ. गोविन्दराम शर्मा
१०. आधुनिक साहित्य का इतिहास - डॉ बच्चन सिंह.
११. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास - बाबू गुलाबराय
१२. हिंदी साहित्य की भूमिका - डॉ.हजारीप्रसाद द्विवेदी
१३. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- डॉ.रामकुमार वर्मा
१४. हिंदी गद्य : उद्भव और विकास - डॉ.उमेश शास्त्री
१५. हिंदी साहित्य एक परिचय - डॉ.त्रिभुवन सिंह
१६. हिंदी साहित्य और संवेदना का इतिहास - डॉ.रामस्वरूप चतुर्वेदी
१७. हिंदी रीति साहित्य का इतिहास - डॉ.भगीरथ मिश्र
१८. रीतियुगीन काव्य - -डॉ.कृष्णचन्द्र
१९. रीतिकाव्य की भूमिका - डॉ.नगेन्द्र
२०. आधुनिक हिंदी साहित्य का आदिकाल - श्री नारायण चतुर्वेदी
२१. हिंदी साहित्य : युग और प्रवृतियाँ - डॉ.शिवकुमार शर्मा
२२. हिंदी साहित्य का प्रवृतिपरक इतिहास - डॉ.सभापति मिश्र
२३. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ.माधव सोनटक्के
२४. हिंदी साहित्य का अद्यतन इतिहास - डॉ.मोहन अवस्थी
२५. हिंदी साहित्य का सही इतिहास -डॉ.चंभाणु सोनवने / डॉ.सूर्यनारायण रणसुभे
२६. आधुनिक हिंदी कविता का पुनर्पाठ - डॉ.करुणाशंकर उपाध्याय
२७. आधुनिक हिंदी कविता में काव्य चिंतन - डॉ.करुणाशंकर उपाध्याय
२८. साहित्य और संस्कृति के सरोकार - डॉ.करुणाशंकर उपाध्याय
२९. आधुनिक हिंदी साहित्य : वाद, प्रुवृतियाँ एवं विमर्श - डॉ.दत्तात्रय मुरुमकर
३०. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास -डॉ.सुमन राजे
३१. हिंदी साहित्य की नवीन विधाएँ - डॉ.कैलाशचंद्र भाटिया
३२. हिंदी साहित्य का इतिहास : नए विचार नई दिशाएँ - डॉ.सुरेशकुमार जैन
३३. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ.भंडारे उद्धव तुकाराम
३४. हिंदी साहित्य इतिहास - डॉ.सज्जनराम केनी
३५. हिंदी साहित्य - डॉ.धर्मवीर भारती
३६. भक्ति साहित्य में विश्वबंधुत्व की भावना - सं. डॉ.अनिल सिंह
३७. भारतेन्दुयुगीन काव्य-प्रवृत्तियाँ और 'दत्त द्विजेन्द्र' का साहित्य - डॉ मिथिलेश शर्मा

<u>हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय</u>

Semester – I (प्रथम सत्र)

Course Code : RJAPGHIN102

प्रश्न पत्र — ३

काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

Poetics and Literary Criticism

खण्ड — क (भारतीय काव्यशास्त्र एवं हिंदी आलोचना)

इकाई एक **श्रेयांक - १**

१. रस सिद्धांत : रस का स्वरूप, रस के अवयव,
रस निष्पत्ति, साधारणीकरण

२. अलंकार सिद्धांत : मूल स्थापनाएं, अलंकारों का वर्गीकरण

३. रीति सिद्धांत : रीति की अवधारणा, काव्यगुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ

इकाई दो **श्रेयांक - १**

४. आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आ. नंददुलारे वाजपेयी, आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी

खण्ड — ख (पाश्चात्य काव्यशास्त्र : सिद्धांत और विचारक)

इकाई तीन **श्रेयांक - १**

१. सिद्धांत और वाद : अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद ,मार्क्सवाद

इकाई चार **श्रेयांक - १**

२. विचारक :१. प्लेटो का काव्य सिद्धांत
२. अरस्तू का अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी एवं विरेचन सिद्धांत
३. लोंजाइनस : उदात्त संबंधी मान्यताएँ

<u>हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय</u>

Semester - II (द्वितीय सत्र)

Course Code : RJAPGHIN202

प्रश्न पत्र — ४

काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

Poetics and Literary Criticism

खण्ड — क (भारतीय काव्यशास्त्र एवं हिंदी आलोचना)

इकाई एक **श्रेयांक - १**

१. वक्रोक्ति सिद्धांत : अवधारणा, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद

२. ध्वनि सिद्धांत : स्वरूप, प्रमुख रचनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत व्यंग्य

३. औचित्य सिद्धांत : प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद

इकाई दो **श्रेयांक - १**

४. डॉ. रामविलास शर्मा, डॉ. नगेन्द्र, डॉ. नामवर सिंह

खण्ड — ख (पाश्चात्य काव्यशास्त्र : सिद्धांत और विचारक)

इकाई तीन **श्रेयांक - १**

१. सिद्धांत और वाद : अस्तित्ववाद ,संरचनावाद, उत्तर आधुनिकतावाद

इकाई चार **श्रेयांक - १**

२. **विचारक** : १. मैथ्यू आर्नल्ड – आलोचना का स्वरुप और प्रकार्य

२. टी. एस. इलियट — परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण

३.. आई. ए. रिचर्ड्स — व्यावहारिक आलोचना, रागात्मक अर्थ संवेगों का संतुलन, संप्रेषण।

सन्दर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र ३ और ४)

१. भारतीय साहित्यशास्त्र – डॉ.बलदेव उपाध्याय

२. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा – डॉ. नगेन्द्र

३. साहित्य का मूल्यांकन – डॉ.रामचंद्र तिवारी

४. रस सिद्धांत : स्वरूप और विश्लेषण – डॉ.आनंद प्रसाद दीक्षित

५. रस सिद्धांत – डॉ. नगेन्द्र

६. काव्यतत्त्व विमर्श – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी

७. काव्यशास्त्र – डॉ.भगीरथ मिश्र

८. साहित्य शास्त्र – डॉ.कमलाप्रसाद पाण्डेय

९. भारतीय समीक्षा सिद्धांत – डॉ.सूर्यनारायण द्विवेदी

१०. ध्वनि सिद्धांत और हिंदी के प्रमुख आचार्य – डॉ.टी.एन.राय

१२. रामविलास शर्मा की साहित्य साधना - सं. डॉ. मिथिलेश शर्मा

१३. आचार्य शुक्ल का समीक्षा सिद्धांत – डॉ.रामलाल सिंह

१४. रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना – डॉ. रामविलास शर्मा

१५. आलोचक का दायित्त्व – डॉ.रामचंद्र तिवारी

१६. हिंदी आलोचना का विकास – नंदकिशोर नवल

१७ . नामवर का विमर्श – डॉ.सुधीर पचौरी

१८.पाश्चात्य काव्यशास्त्र सिद्धांत – डॉ.शांतिस्वरूप गुप्त

१९.पाश्चात्य काव्यशास्त्र – दशरथनाथ शर्मा

२०. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ.निर्मला जैन

२१. उत्तर आधुनिकता : साहित्यिक विमर्श – सुधीर पचौरी

२२. उत्तर आधुनिकता : कुछ विचार – सं. दयाशंकर नवीन

२३. समीक्षा के विविध आधार – सं. डॉ.रामजी तिवारी

२४. पाश्चात्य काव्य चिंतन – डॉ.करुणाशंकर उपाध्याय

२५. छन्दोलंकार प्रदीपिका – विश्वबंधु शर्मा

२६. काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा – डॉ.निर्मला जैन

२७. हिंदी आलोचना का सैद्धांतिक आधार – कृष्णदत्त पालीवाल

२८. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का प्रतिमान – डॉ.हरीश अरोड़ा

२९. आई.ए.रिचर्ड्स का समीक्षा सिद्धांत – डॉ.विष्णु सरवदे

<u>हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय</u>

Semester - I (प्रथम सत्र)

Course Code : RJAPGHIN103

प्रश्न पत्र — पाँच

भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

Linguistics and Hindi Language

खण्ड : क

इकाई एक **श्रेयांक- १**

१. भाषा : भाषा की परिभाषा, अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा संरचना और भाषिक प्रकार्य

२. भाषा विज्ञान : भाषा विज्ञान नामकरण, परिभाषा, स्वरूप और व्याप्ति, भाषा अध्ययन का क्षेत्र, अध्ययन की दिशाएँ, भाषा विज्ञान के प्रकार, भाषा विज्ञान अनुप्रयुक्त और व्यतिरेकी भाषा विज्ञान

इकाई दो **श्रेयांक- १**

३. स्वन विज्ञान : परिभाषा, स्वरूप, वाग अवयव और उनके कार्य, स्वनिम की विशेषताएँ, स्वनिम के भेद — खण्डेय स्वनिम, खंडयेत्तर स्वनिम, स्वन परिवर्तन की दिशाएँ, स्वन परिवर्तन के कारण, हिंदी स्वरों तथा व्यंजनों का वर्गीकरण

खण्ड : ख

इकाई तीन **श्रेयांक - १**

१. हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ — वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उसकी विशेषताएँ।
मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ — पाली, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ।
आधुनिक भारतीय भाषाओं का सामान्य परिचय- मराठी, गुजराती, पंजाबी, तेलगु, कन्नड़, तमिल, मलयालम

इकाई चार **श्रेयांक- १**

२. हिंदी का वाक्य विन्यास : पद, पदक्रम, वाक्य के भेद (अर्थ एवं रचना के आधार पर)

हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय

Semester - II (द्वितीय सत्र)

Course Code : RJAPGHIN203

प्रश्न पत्र — छह

भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

Linguistics and Hindi Language

खण्ड : क

इकाई एक **श्रेयांक- १**

१. रूप विज्ञान : **रूप विज्ञान का स्वरूप**, शब्द और रूप, अर्थतत्व और संबंध तत्व, संबंध तत्व के प्रकार, रूप परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण, रूपिम और संरूप, रूपिम के भेद।

२. वाक्य विज्ञान : वाक्य की परिभाषा, अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद, निकटस्थ अवयव, वाक्य परिवर्तन की दिशाएँ और कारण।

इकाई दो **श्रेयांक- १**

३. अर्थ विज्ञान : **अवधारणा**, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ, अर्थ परिवर्तन के कारण।

खण्ड : ख

इकाई तीन **श्रेयांक - १**

१. हिंदी की रूप रचना : १. हिंदी की शब्द रचना, धातु, उपसर्ग, प्रत्यय, समास के □धार पर ।
२. लिंग, वचन, कारक के संदर्भ में हिंदी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया का रूपांतरण।

इकाई चार **श्रेयांक - १**

२. देवनागरी लिपि : नामकरण, उद्भव और विकास, विशेषताएँ, समस्याएँ, सुधार के प्रयास / मानकीकरण।

सन्दर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र ५ और ६)

१. भाषा विज्ञान — डॉ. भोलानाथ तिवारी

२. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र — डॉ. कपिलदेव द्विवेदी

३. हिंदी भाषा का उद्भव और विकास — डॉ. उदयनारायण तिवारी

४. हिंदी भाषा – डॉ.भोलानाथ तिवारी

५. सरल भाषा विज्ञान – डॉ.अशोक के.शाह

६. भाषिकी, हिंदी भाषा तथा भाषा शिक्षण – डॉ.अंबादास दीक्षित

७. भाषा विज्ञान के अधुनातन आयाम - डॉ.अंबादास दीक्षित

८. सामान्य भाषा विज्ञान : सैद्धांतिक विवेचन – डॉ.देवेन्द्र कुमार शास्त्री

९. वर्ण विज्ञान – श्री प्रभात रज्जन सरकार

१०. भाषाशास्त्र तथा हिंदी भाषा की रूपरेखा – डॉ.देवेन्द्र कुमार शास्त्री

११. हिंदी व्याकरण प्रकाश – डॉ.महेंद्र कुमार राना

१२. भाषा विज्ञान की रूपरेखा – द्वारका प्रसाद सक्सेना

१३. नागरी लिपि : रूप और सुधार – मोहन ब्रज

१४. हिंदी उद्भव,विकास और रूप – हरदेव बाहरी

१५. भाषा भाषिकी – डॉ.देवीशंकर द्विवेदी

१६. सामान्य भाषा विज्ञान – डॉ.बाबुराम सक्सेना

१७. हिंदी भाषा एवं भाषाविज्ञान – डॉ.महावीरसरन जैन

१८. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत – डॉ.रामकिशोर शर्मा

१९. भाषा – सं. राजमल बोरा

२०. भाषा विज्ञान के सिद्धांत – डॉ.रामकिशोर शर्मा

२१. भाषा विज्ञान – रमेश रावत

२२. भाषा और सूचना प्रौद्योगिकी – डॉ.अमर सिंह वधान

२३. भाषा प्रौद्योगिकी एवं भाषा प्रबंधन – रामगोपाल शर्मा

२४. हिंदी भाषा : कल और आज – पूरनचंद टंडन

२५. हिंदी भाषा, व्याकरण और रचना – डॉ.अर्जुन तिवारी

२६. भारतीय भाषा विज्ञान – आचार्य किशोरीलाल वाजपेयी

२७. आधुनिक भाषा विज्ञान – राजमणि शर्मा

२८. हिंदी भाषा : इतिहास और स्वरूप - राजमणि शर्मा

२९. भाषा और प्रौद्योगिकी – डॉ.विनोद प्रासाद

३०. भाषा शिक्षण – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

३१. हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ.भोलानाथ तिवारी

३२. हिंदी भाषा की संरचना - डॉ.भोलानाथ तिवारी

३३. राजभाषा हिंदी – कैलाश चन्द्र भाटिया

३४. भाषा की उत्पत्ति, रचना और विकास – विनोद दिवाकर

३५. हिंदी व्याकरण – कामता प्रसाद गुरू

३६. हिंदी वर्तनी का विकास – अनीता गुप्ता

३७. हिंदी का विश्व सन्दर्भ – डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

<u>हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय</u>

Semester – I (प्रथम सत्र)

Course Code : RJAPGHIN104

प्रश्न पत्र - सात

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

Old and Medieval Poetry

इकाई एक **श्रेयांक -१**

१ संत कबीरदास : संपादक - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी,
प्रकाशक - मुंबई विश्विद्यालय, मुंबई

व्याख्या हेतु पद :

१. साखी -

गुरु के अंग - ३, ११, १६, २७, २८, ३४

विरह के अंग - १, ५, ६, २२, ४०, ४५

परचा के अंग - ४, ८, २३, २७, ३८, ४८

२. पद - १, ३, ६३, ९७, १३४, १६२, १६३, १६८, १७५, १७६, १७६,
१७७,१९९, २००, २०२, २१७, २२०, २२४, २३४, २४१, २५४ कुल = ४०

इकाई दो **श्रेयांक - १**

२. पद्मावत : मलिक मुहम्मद जायसी, संपादक - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
व्याख्या हेतु खंड : १. सिंहल द्वीप वर्णन खंड ई
२. नागमती वियोग खंड

इकाई - तीन और चार **श्रेयांक - २**

३. गोस्वामी तुलसीदास : रामचरित मानस, अयोध्या काण्ड, द्वितीय सोपान, योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |

व्याख्या हेतु पद - २२३ से २५३ कुल = ३०

हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय

Semester – II (द्वितीय सत्र)

Course Code : RJAPGHIN204

प्रश्न पत्र - आठ

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

Old and Medieval Poetry

इकाई एक और दो — श्रेयांक - २

१. भ्रमरगीत सार - संपादक - आचार्य रामचंद्र शुक्ल

व्याख्या हेतु पद - 1, 5, 7, 9, 11, 16, 26, 38, 42, 51, 57, 64, 90, 105, 115, 131, 138, 143, 157, 177, 196, 200, 279, 316, 366 कुल = 25

इकाई तीन — श्रेयांक - १

२. कवि भूषण : संपादक - भगवानदास तिवारी, साहित्य भवन, इलाहाबाद

व्याख्या हेतु पद : 2, 17, 20, 22, 24, 25, 26, 30, 35, 41, 44, 46, 49, 57, 58, 61, 63, 69, 72, 73, 79, 90, 91, 95 कुल = 25

इकाई चार — श्रेयांक- १

3. मीरा पदावली : संपादक एवं टिकाकर - शंभूसिंह मनोहर

व्याख्या हेतु पद - 2, 3, 4, 7, 10, 11, 12, 13, 14, 20, 23, 27, 28, 30, 35, 36, 37, 41, 43, 47, 55, 56, 67, 84, 87 कुल = 25

सन्दर्भ ग्रन्थ : (प्रश्न पत्र ७ और ८)

1.	कबीर की विचारधारा	डॉ.गोविन्द त्रिगुणायत
2.	कबीर ग्रंथावली	डॉ.एल.बी.राम 'अनंत'
3.	कबीर और तुकाराम के काव्य में अभिव्यक्त सांस्कृतिक चेतना का तुलनात्मक अनुशीलन	डॉ.बालकवि सुरंजे
4.	कबीर रहस्यवाद	डॉ.रामकुमार वर्मा
5.	कबीर साहित्य की परख	आ.परशुराम चतुर्वेदी
6.	कबीर : व्यक्तित्त्व,कृतित्त्व एवं सिद्धांत	डॉ.सरनाम सिंह
7.	जायसी एवं उनका काव्य	सो.शिवसहाय पाठक
8.	जायसी का पद्मावत : काव्य दर्शन	डॉ.गोविन्द त्रिगुणायत

9.	तुलसीदास : आधुनिक वातायन से	डॉ.रमेश मेघ 'कुंतल'
10.	जायसी का काव्य शिल्प	डॉ.दर्शनलाल सेठी
11.	तुलसीदास और उनका युग	डॉ.राजपति दीक्षित
12.	रामचरितमानस में अलंकार योजना	डॉ.वाचंदेव कुमार
13.	मध्यकालीन कवि और कविता	डॉ.रतनकुमार पाण्डेय
14.	कालजयी संत तुलसीदास	डॉ.उमापति दीक्षित
15.	तुलसी काव्य के विविध आयाम	डॉ.उमापति दीक्षित
16.	मध्यकालीन काव्य : चिंतन और संवेदना	डॉ.करुणाशंकर उपाध्याय
17.	विविधा	डॉ.करुणाशंकर उपाध्याय
18.	साहित्य और संस्कृति के सरोकार	डॉ.करुणाशंकर उपाध्याय
19.	रीतिकालीन काव्य परंपरा के पद्मावत	डॉ.द्वारिकानाथ राय
20.	देव और उनकी कविता	डॉ.नगेन्द्र
21.	मध्ययुगीन हिंदी साहित्य में नारी भावना	डॉ.उषा पाण्डेय
22.	रीति परंपरा के प्रमुख आचार्य	डॉ.सत्यदेव चौधरी
23.	हिंदी काव्य में शृंगार परंपरा और बिहारी	डॉ.गणपति चन्द्र गुप्त
24.	हिंदी रीतिकालीन काव्य पर संस्कृत काव्य का प्रभाव	डॉ.दयानंद शर्मा
25.	मीरा और मीरा	महादेवी वर्मा
26.	भक्तिमती मीराबाई : जीवन और काव्य	लालबहादुर सिंह चौहान
27.	वाल्मीकि एवं तुलसी के नारी पात्र	डॉ.संतोष मोटवानी
28.	भक्ति साहित्य में विश्वबंधुत्त्व की भावना	सं. डॉ.अनिल सिंह

हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय

Examination

1. External Examination (Semester and Examination) Total Marks – 60
2. Internal Examination (आतंरिक परीक्षण) Total Marks – 40

कक्ष परीक्षा / पुस्तक समीक्षा / प्रकल्प - २० अंक

प्रस्तुतीकरण / रचनात्मक कार्य - १० अंक

कक्ष शिक्षण के दौरान सहभागिता - ०५ अंक

शिष्टाचार एवं समग्र आचरण - ०५ अंक

प्रश्न पत्र १६ के लिए - ६० अंक (प्रकल्प)

४० अंक (मौखिकी)

एम.ए. प्रथम वर्ष सेमेस्टर I से II के लिए

प्रश्न पत्र का प्रारूप

पेपर क्र. १, २, ३, ४, ५, ६

प्रश्न क्र. १	पूछे गए दो दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित	१५ अंक
प्रश्न क्र. २	पूछे गए दो दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित	१५ अंक
प्रश्न क्र. ३	पूछे गए दो दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित	१५ अंक
प्रश्न क्र. ४	पूछे गए चार टिप्पणियों में से दो के उत्तर अपेक्षित	१५ अंक
		६० अंक

पेपर क्र. ७, ८

प्रश्न क्र. १	पूछे गए तीन सन्दर्भ-सहित व्याख्या में से दो के उत्तर अपेक्षित	१५ अंक
प्रश्न क्र. २	पूछे गए दो दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित	१५ अंक
प्रश्न क्र. ३	पूछे गए दो दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित	१५ अंक
प्रश्न क्र. ४	पूछे गए पाँच टिप्पणियों में से तीन के उत्तर अपेक्षित	१५ अंक
		६० अंक